दैनिक
बर्षः- 06
अंकः- 148
मुरादाबाद
(Friday)
18 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिनः देशभर में जश्न

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 'आशीर्वाद का दीयाः अभिभूत पीएम ने शेयर किया विशेष म्यूजिक वीडियो, कहा- हर आशीष खास

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर उनकी जन्मभूमि वडनगर (गुजरात) से लेकर मौजूदा राजनीतिक कर्मभूमि वाराणसी (उत्तर प्रदेश) तक उत्सव जैसा माहौल है। उनके समर्थकों के अलावा देश के सांविधानिक पदों पर आसीन हस्तियां भी उन्हें बधाई दे रही हैं। पीएम मोदी को विदेश से भी जन्मदिन के शुभकामना संदेश भेजे जा रहे हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर संगीतकार अमन पंत और स्नेहा शंकर ने 'आशीर्वाद का दीया' गीत जारी किया। पीएम

मोदी ने वीडियो साझा कर आभार जताया। बता दें कि भाजपा ने भी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू किया है, जिसमें घरों में दीये जलाने की पहल शामिल है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपना 76वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस बीच देशभर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही हैं। इसी दौरान पीएम मोदी के जन्मदिन के मौके पर पार्टी की ओर से आशीर्वाद का दीया अभियान शुरू किया गया है। अब उनके इस जन्मदिन पर कलाकारों ने उन्हें एक सॉन्ग गिफ्ट किया है। संगीतकार अमन पंत और स्नेहा शंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक सेवा में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक गीत आशीर्वाद का दिया जारी किया है, जिसका विमोचन गुरुवार को उनके 76 वें जन्मदिन के अवसर पर किया गया है। पंत और शंकर ने अपने सोशल मीडिया पर बताया कि वे प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन को देखते हुए बड़े हुए हैं और इस गीत को उस सफर से प्रेरित श्रद्धांजलि बताते हैं। यह गीत विशेष रूप से मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए गए 25 वर्षों के निरंतर सार्वजनिक सेवा के मील के पत्थर से जुड़ा है।गीतकारों ने इसे सोशल मीडिया पर साझा किया और नागरिकों को 17 सितंबर को प्रतीकात्मक रूप से दीया जलाने की पहल में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। पीएम मोदी ने म्यूजिक वीडियो पर क्या कहा? - प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस खास गीत को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने इस म्यूजिक वीडियो के लिए आभार जताया। उन्होंने लिखा कि कुछ भावनाएं हमेशा बेहद खास होती हैं। 'आशीर्वाद का दीया' भी स्नेह की ऐसी ही अभिव्यक्ति है, जिसने गहराई से छुआ है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हर आशीर्वाद उन्हें भारत की और भी अधिक समर्पण के साथ सेवा करने के संकल्प को मजबूत करता है। बता दें कि यह गीत ऐसे समय में जारी किया गया है, जब भारतीय जनता पार्टी ने अपना एक महीने का सेवा संकल्प अभियान शुरू किया है, जो 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा और इसमें सेवा और जनसंपर्क कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शामिल है। भाजपा ने घोषणा की है कि कार्यक्रम के तहत घरों में दीये जलाए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक सेवा में बिताए वर्षों को चिह्नित करना है। 25 साल की लोक सेवा की यह उपलब्धि प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक करियर को संदर्भित करती है, जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल और उसके बाद प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी पहली बार 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने और बाद में 2014 में प्रधानमंत्री बने। पश्चिम बंगाल में अन्नपूर्णा दिवस के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करीब डेढ़ करोड़ महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना की चौथी किस्त जारी की। इस दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण, प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण, केंद्र की विभिन्न योजनाओं और बंगाल में रुकी परियोजनाओं का जिक्र किया। इस दौरान बंगाल सरकार ने एलान किया है कि राज्य में 17 सितंबर को अन्नपूर्णा दिवस मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में अन्नपूर्णा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया। उन्होंने बंगाल की माताओं और बहनों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्हें हमेशा महिलाओं से स्नेह, विश्वास और अपनापन मिला है, जो उनके लिए बड़ी शक्ति है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पावन अवसर पर बंगाल में महिलाओं के लिए एक नई परंपरा मजबूत हो रही है। अन्नपूर्णा योजना के तहत राज्य की करीब डेढ़ करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में चौथी किस्त की राशि पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं की रोजमर्रा की जरूरतों और घरेलू जिम्मेदारियों को पूरा करने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री ने लोगों को विश्वकर्मा पूजा की भी शुभकामनाएं दीं।

अखिलेश ने एक्सप्रेसवे का दिखाया वीडियो, बोले- अब निर्माण पूरा बाद में होता है टूटने पहले लगता है

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मीडिया को संबोधित करते हुए प्रदेश के एक्सप्रेसवे की हालत के वीडियो दिखाए और निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में बने एक्सप्रेस वे की हालत को लेकर कहा कि भाजपा सरकार में किसी प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा बाद में होता है गिरना पहले शुरू हो जाता है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था और उसका मेंटीनेंस अभी भी जारी है। अखिलेश यादव सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा सरकार में बने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के टूटने को लेकर वीडियो भी दिखाया और कहा कि ऐसा लगता है कि दिल्ली और लखनऊ वालों के बीच मुकाबला चल रहा है कि किसके पास ज्यादा मुनाफा होगा। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में बने रिवरफ्रंट और अन्य निर्माण की क्वालिटी सबसे अच्छी है। आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे का डिजाइन सबसे अच्छा है और भाजपा के लोग अब इसे खराब कर रहे हैं। रिवरफ्रंट पर लगे फव्वारे भी वैसे ही हैं। बच्चों को दिए गए लैपटॉप भी अभी वैसे के वैसे हैं।यूपीआई रुपये ऐंठने वाली योजना-अखिलेश यादव ने यूपीआई से भुगतान करने पर व्यापारियों पर लगाए गए टैक्स पर कहा कि यूपीआई रुपये ऐंठने वाली योजना है। उन्होंने कहा कि चुंगीजीवी लोगों को रुपये ऐंठने वाली योजना बंद कर देना चाहिए। ये लोग उद्योगपतियों की जेबें भरने की योजनाएं बनाते हैं। 200 करोड़ पेड़ लगाने का आंकड़ा फर्जी- अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने प्रदेश में 200 करोड़ पेड़ लगाने का दावा किया है। सपा सरकार में हमने एक हजार एकड़ पर एक लाख 34 हजार पेड़ लगवाए थे। सरकार कह रही है कि उन्होंने 200 करोड़ पौधे लगवाए हैं तो वो बताएं कि वो जमीन कहां है जहां 200 करोड़ पौधे लगाए गए थे।पूर्व मंत्री राम आश्रय कुशवाहा की सपा में वापसी- पूर्व मंत्री राम आश्रय कुशवाहा भाजपा को छोड़कर सपा में शामिल हो गए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुझे आज भी नेताजी (मुलायम सिंह यादव) अपने बीच महसूस होते हैं। उन्होंने सपा की सदस्यता ली और कहा कि जब तक अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री नहीं बना देते वो घर नहीं बैठेंगे।

संक्षिप्त समाचार

यूपीआई शुल्क पर कांग्रेस में ही उलझा पेचः राहुल का विरोध, लेकिन पार्टी सांसदों ने की थी पैरवी

यूपीआई शुल्क को लेकर राजनीतिक विवाद के बीच संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति की पुरानी सिफारिश सामने आई है। समिति ने यूपीआई के लिए चरणबद्ध एमडीआर और टिकाऊ राजस्व मॉडल की जरूरत बताई थी। इस समिति में पी. चिदंबरम समेत पांच कांग्रेस सांसद शामिल थे और 12 अगस्त को रिपोर्ट अपनाए जाने के समय मौजूद थे, जबकि प्रकाशित कार्यवाही में कोई असहमति दर्ज नहीं है। दूसरी ओर, राहुल गांधी ने फैसले पर सवाल उठाते हुए अमेरिकी दबाव का आरोप लगाया, जिसे सरकार और एनडीए नेताओं ने खारिज किया है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के उस फैसले पर सवाल उठाया है, जिसके तहत 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) आधारित शुल्क व्यवस्था लागू करने की बात सामने आई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ने यह फैसला अमेरिकी दबाव में लिया है। इसी बीच संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति की एक सिफारिश चर्चा में आ गई है। समिति ने यूपीआई के लिए चरणबद्ध एमडीआर या राजस्व व्यवस्था बनाने की सिफारिश की थी। समिति की रिपोर्ट में क्या कहा गया था? इस साल संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति ने यूपीआई के लिए चरणबद्ध एमडीआर व राजस्व व्यवस्था बनाने पर जोर दिया था।

सीएम योगी ने दी बधाईः बोले- 145 करोड़ भारतीयों के जीवन में सुख और समृद्धि का नवप्रभात ला रहे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस मौके पर देश भर में आयोजन किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें बधाई देकर प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य व सुदीर्घ-यशस्वी जीवन की कामना की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य व सुदीर्घ-यशस्वी जीवन की कामना की। %नए भारत के शिल्पी% हैं प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री ने लिखा कि 145 करोड़ भारतीयों के जीवन में सुख, समृद्धि, सुरक्षा एवं स्वाभिमान का नवप्रभात लाने हेतु अविराम राष्ट्रयज्ञ में समर्पित, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता, एक भारत-श्रेष्ठ भारत के स्वप्नद्रष्टा, नए भारत के शिल्पी% और हमारे मार्गदर्शक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई

जनता दर्शनः सीएम योगी ने सुनी लोगों की समस्याएं, बोले- घबराइए नहीं, हर समस्या का समाधान कराएंगे

गोरखपुर में बृहस्पतिवार को जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों की समस्याएं सुनीं। कहा कि घबराइए नहीं हर समस्या का समाधान कराएंगेगोरखपुर में बृहस्पतिवार को जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों की समस्याएं सुनीं। कहा कि घबराइए नहीं हर समस्या का समाधान कराएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न जिलों से 150 लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनता दर्शन महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित हुआ।
दिव्यांग के इलाज की व्यवस्था, पेंशन भी बहाल होगी-देवरिया से आए एक दिव्यांग ने इलाज के लिए सहायता देने का निवेदन किया। इस पर सीएम ने मौके पर ही अधिकारियों को समुचित व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया। दिव्यांग से बातचीत में पता चला कि उसका आयुष्मान कार्ड नहीं है, इस पर सीएम ने जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को दिव्यांग पेंशन बहाल कराने के लिए भी निर्देशित किया। सीएम ने गोशाला में गोसेवा की
इससे पहले सीएम ने प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ और अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ का आशीर्वाद लिया। फिर उन्होंने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। गोवंश को अपने हाथ से गुड़ खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया। गोशाला के कार्यकर्ताओं से गोवंश के स्वास्थ्य एवं टीकाकरण की जानकारी ली। साथ ही देखभाल के जरूरी दिशानिर्देश दिए।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री पद के लिए बने अधिकतम आयु नियमः शिवसेना सांसद ने क्यों उठाई आवाज

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के लिए नेतृत्व की अधिकतम अवधि या उम्र को लेकर स्पष्ट नियम बनाए जाने की मांग की है। उन्होंने यह बयान पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन के मौके पर दिया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत का एक बयान राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जैसे शीर्ष संवैधानिक पदों पर रहने वाले लोगों के लिए नेतृत्व की उम्र को लेकर एक नियम तय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के 75 वर्ष की आयु पूरी करना एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के लिए उम्र की सीमा पर नियम की मांग- संजय राउत ने कहा कि देश में ऐसा नियम बनाया जाना चाहिए, जिसके तहत यह तय हो कि प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति कितने समय तक देश का नेतृत्व कर सकते हैं। उनके मुताबिक, इस विषय पर स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए और यह नियम सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिएपीएम मोदी के 75वें जन्मदिन के संदर्भ में बयान- राउत का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से जोड़कर देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को हुआ था और आज वह 75 वर्ष के हो गए हैं। इसी संदर्भ में राउत ने उम्र को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि 75 वर्ष की आयु एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उनका बयान ऐसे समय आया है, जब प्रधानमंत्री के जन्मदिन को लेकर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।बयान में किसी का नहीं लिया नाम- राउत ने अपने बयान में किसी एक व्यक्ति तक बात सीमित रखने के बजाय प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पदों के लिए व्यापक नियम बनाए जाने की बात कही। उनका कहना है कि देश में शीर्ष नेतृत्व की अवधि को लेकर स्पष्ट प्रावधान होना चाहिए। उनका यह बयान राजनीतिक बहस के बीच सामने आया है और इसे प्रधानमंत्री मोदी की उम्र तथा उनके नेतृत्व से जोड़कर देखा जा रहा है।बयान के बाद राजनीतिक चर्चा तेज- संजय राउत के इस बयान ने राजनीतिक चर्चा को एक नया मुद्दा दे दिया है। हालांकि, भारत में प्रधानमंत्री के पद पर बने रहने के लिए संविधान में ऐसी कोई अधिकतम आयु सीमा निर्धारित नहीं है। प्रधानमंत्री पद पर बने रहने की अवधि संसद में बहुमत और अन्य संवैधानिक प्रक्रियाओं से जुड़ी होती है।

संपादकीय Editorial

The Direction of MPs' Directions

Two Himachal MPs, representing their respective funds, showed different "directions." While Mandi MP Kangana Ranaut appeared like a flowing river of anger, Kangra MP Dr. Rajiv Bhardwaj penetrated deeply like a calm ocean. Politics, while establishing new traditions, often seeks to portray leaders as invincible, while the peacocks within the system dance. In Mandi, two actors within the system were seen flailing their arms, while in Kangra, the scope of restraint and harmony was seen. This is a testament to the advocacy and renewal of national plans through public representatives, which should be observed with a natural eye. Whether the issues arise in Mandi or are seen in Kangra, the government machinery must remain open. The nation's supportive posture in conveying messages and expressing condolences has become political these days, and if we seek decorum among the merits and demerits, we will never find it. Nevertheless, political will must be translated on the ground. If the central budget aligns with local aspirations in the District Development Coordination and Monitoring Committee (Disha), politics can rest in peace for at least a few moments, but experiencing this feeling is a bitter pill to swallow. It's not appropriate for public representatives, seeking to utilize MPLADS, to clash with the state machinery. Therefore, when a conflict arises in the name of the public, the officials trapped in the commentariat begin to advocate for their own responsibility. It's wrong to assume that scheme guidelines cannot be followed by different governments. If flaws have crept into the use of government machinery, the character of politics is far more responsible for this. In fact, in the name of the people, in whose name the system should be built, a practice of coercion under the influence of power is developing. Yet, language, etiquette, and discipline are essential for improving the work culture.While we wouldn't say that Delhi's money is BJP-owned and Himachal's administrative system is Congress-owned, the engines being created in politics are somehow to blame. The effect of the demands of double-engine or triple-engine governments is that financial relations between the central and state governments have become racially discriminatory. Principled efforts by an MP in the disaster-hit Mandi region can be significant, and the local MP's services can be effective in Kangra's economic progress. If political rivalry becomes a mere affront, issues will simply be relegated to the center versus the states. For example, the Prime Minister, recognizing Himachal's plight, announced immediate disaster relief of fifteen hundred crore rupees, but this relief never materialized. MPs should play a role in advocating for the state where the state's economic interests are tied to water, ensuring the state receives the Shannan power project and receives its 50 percent share of revenue from central power projects. If the central government's rhetoric on self-reliance or the state's economic identity was helpful in the past, the framework of financial assistance should not be broken now. If the economic bridge between the two governments continues to break, the political arithmetic of states.

The Path of BRICS

The BRICS Summit concluded with a spirit of cooperation, with India playing a key role in balancing the member countries. India paved the way for cooperation by maintaining balance at the BRICS Summit. China abandoned its traditional approach and adopted a more restrained and cooperative approach. There was an agreement to strengthen BRICS and make the global system multipolar. The spirit of cooperation with which BRICS concluded is an achievement for both India and the member countries. The BRICS Summit was able to issue its joint declaration because India was successful in balancing all the countries. This success was also possible because the member countries demonstrated a positive attitude and recognized the need to reach a consensus. This spirit of BRICS countries will strengthen the future path of this organization. China's attitude at the BRICS Summit also appeared more restrained and cooperative than its traditional character. One reason for this is the changing international situation. In the changing circumstances, China considered it necessary to strengthen BRICS because it also understands the need to create a global alternative.

The uncertainty surrounding the Chinese President's arrival at this summit was not only dispelled, but the Chinese President also discussed bilateral issues with India in addition to multilateral topics. This discussion raises hope because the Chinese President spoke about developing cooperation while respecting differences. In this context, the Indian Prime Minister did not hesitate to say that no country should weaponize rare minerals and technology.

This was a direct reference to China. Despite this indication, the lack of any negative reaction from China is a positive sign.

If BRICS is to become a truly capable organization, both China and Russia must adopt a flexible approach towards India. It is also essential for China and Russia to actively reduce their trade deficit with India. Only by doing so can these three key pillars of BRICS, along with member countries like Brazil and South Africa, shape BRICS.

Only through this can they protect the interests of the Global South and make the global system multipolar.

China and Russia may have some differences in their perspectives on this issue, but they, like India, also aspire to achieve these objectives. The vision of a better world can only be realized when all BRICS member countries are willing to contribute to this organization at their own level.

The consensus reached within BRICS on various issues needs to be taken forward. Only then will this organization be able to effectively address the challenges it faces and show the world the way forward.

Pakistan's Deception

The terrorism thriving in Pakistan is fueling global jihad, and this jihad could also pose a threat to the United States. Pakistan misled the FATF by increasing the bounty on Masood Azhar.

Terrorist organizations remain active even after being removed from the FATF's gray list. India must expose Pakistan's terrorist deception at the FATF.

Pakistan's increase in the bounty on Masood Azhar, a terrorist leader wanted in India, from ?5 million to ?7 million ahead of the FATF's meeting next month is an attempt to deceive the international organization, which combats money laundering and terrorist financing, as well as the world. Pakistan's deception is evident from the fact that it recently spread rumors that Jaish-e-Mohammed leader Masood Azhar was hiding somewhere in Afghanistan. According to Afghan and Indian intelligence agencies, he is in Pakistan.

The new list of terrorists released by Pakistan, along with increasing the bounty on Masood Azhar, includes several names responsible for terrorist attacks in India.

Pakistan has removed the photographs of many terrorists from the new list and concealed their links to terrorist organizations, whereas the previous list included their photographs and details of the terrorist organizations they work for.

It is not known whether the FATF will be able to detect Pakistan's deception, but there is no doubt that if it does not show strictness, it will not be able to combat terrorism.

The FATF removed Pakistan from its grey list in 2022 because it believed it was dismantling the terrorist infrastructure in its country, but soon after, it resumed nurturing terrorists.

Terrorist organizations like Jaish and Lashkar-e-Taiba are not only active in Pakistan but also flourishing. They continue to collect donations and recruit terrorists.

Since Pakistan has made terrorist organizations a part of its security policy, the activities of terrorist organizations there show no signs of abating. By harbouring terrorists, it poses a threat not only to India but also to other countries.

The irony is that despite knowing all this, FATF is ignoring this. This is because some influential countries in this organization remain Pakistan's well-wishers. Chief among them is the United States. America, which has suffered from Pakistan-sponsored terrorism, has turned a blind eye to how terrorism is flourishing in this country.

The terrorism flourishing in Pakistan is nourishing global jihad, and this jihad could pose a threat to America as well. It is doubtful whether the US President will open his eyes, but other countries in the FATF should take cognizance of the threat emanating from Pakistan. To do so, India must use its presence in this organization.

Companies should train youth

The lack of skills among Indian youth is trapping them in unemployment and low-paying jobs, hindering productivity and economic growth. Skills shortages lead to unemployment and low-paying jobs. Productivity declines, and companies lag behind in adopting new technologies. Companies must provide practical training to youth.

The lack of skills in India is not only making youth unemployed but also trapping them in low-paying jobs. This problem is blocking the path to social and economic advancement. This lack of skills has a major impact on productivity. When a worker cannot operate modern machinery or understand digital systems, they are able to produce less work in less time. This prevents companies from adopting new technologies and generating higher profits.

NITI Aayog data shows that only a small number of graduates are finding jobs commensurate with their education. Millions of students are earn

ing degrees without any practical experience. This forces companies to retrain them, costing the country both time and money. The first job determines a person's entire future. If a young person learns a good job and skills early on, their salary and status increase later. However, when someone gets a low-paying job without skills, they remain stuck in it.

Children from wealthy families can pursue better opportunities through further education or internships, but for young people from poor families, this forced job becomes a trap. They are forced to work for the same low wages for years, exacerbating social inequality. According to the World Bank, youth constitute a large proportion of India's total unemployment, while companies lament the lack of suitable skilled workers.

Companies postpone their plans, forcing young people to work below their potential. The government has spent a lot of money distributing paper degrees and certificates, but certificates alone do not increase productivity. The real benefit lies in training young people after providing them with appropriate work and better pay. Like countries like Germany, companies in India should also provide training to young people.

The economic progress of the country cannot be achieved merely by distributing degrees; rather, the income of the youth and the country can be increased only by imparting them the right skills.

मुरादाबाद होमगार्ड भर्ती: बारिश बनी बाधा, 351 अभ्यर्थियों की दौड़ स्थगित; अब इस दिन मिलेगा मौका

मुरादाबाद में होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया के दौरान बारिश के चलते 351 अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़) स्थगित कर दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि इन अभ्यर्थियों को दौड़ के लिए जल्द ही नई तारीख दी जाएगी।नौवीं वाहिनी पीएसी में चल रही होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया के दौरान बरसात के कारण पुलिस भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा में गुरुवार को 351 अभ्यर्थियों की दौड़ नहीं हो सकी। तीसरे दिन 1050 अभ्यर्थियों को दौड़ के लिए बुलाया गया था। 350-350 अभ्यर्थियों के चार राउंड निर्धारित किए गए थे। पहले

तीन राउंड में 661 अभ्यर्थियों ने दौड़ लगाई, जबकि 44 अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा में दौड़ पूरी नहीं कर सके। इसी दौरान दौड़ते समय पांच अभ्यर्थी गिरकर घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चौथे राउंड की दौड़ शुरू होते ही तेज बारिश शुरू हो गई। मैदान में पानी भरने और फिसलन की स्थिति को देखते हुए दौड़ रोकनी पड़ी। अधिकारियों के अनुसार, बारिश के कारण दौड़ से वंचित रहे 351 अभ्यर्थियों को नई तारीख दी जाएगी।

कांठ में दहशत फैलाने वाला तेंदुआ आखिरकार पिंजरे में कैद, महिला पर हमले के बाद वन विभाग को मिली बड़ी सफलता

मुरादाबाद के कांठ तहसील के भरतपुर गांव में एक महिला पर हमला करने के बाद दहशत फैलाने वाला तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया है। वन विभाग की टीम ने उसे मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया है, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।निर्वेश देवी पर हमला करने वाला हो सकता है यही तेंदुआ, घटना के बाद वन विभाग ने लगाया था पिंजराकांठ तहसील क्षेत्र के भरतपुर गांव में महिला पर हमला होने के बाद वन एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। बुधवार रात जंगल में लगाए गए पिंजरे में तेंदुए के फंसने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उसे कब्जे में लेकर मेडिकल परीक्षण के लिए साथ ले गई। अभियान के दौरान जिले में पकड़ा गया यह 16वां तेंदुआ है। भरतपुर गांव निवासी निर्वेश देवी पर 15 सितंबर को हमला हुआ था। वह गन्ने के खेत के पास पशुओं के लिए घास काट

रही थीं। इसी दौरान गन्ने में छिपे तेंदुए ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में वह घायल हो गईं। उनके शोर मचाने पर तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया।घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई थी। महिला पर हमले की सूचना मिलने के बाद वन विभाग ने घटनास्थल के आसपास तेंदुए की निगरानी शुरू कर दी थी। टीम ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। लगातार निगरानी के बीच तेंदुआ पिंजरे में आकर कैद हो गया। हमले वाली जगह के आसपास ही तेंदुए के पिंजरे में कैद होने से ग्रामीणों में चर्चा है कि संभव है कि यही तेंदुआ निर्वेश देवी पर हमला करने वाला हो। हालांकि वन विभाग ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। मेडिकल परीक्षण और विभागीय जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। डिप्टी रेंजर पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया है। उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। परीक्षण के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमरोहा में 15 हजार रुपये के लिए दोस्त की हत्या, पहचान मिटाने को शव पर रखी बाइक और लगा दी आग, दो गिरफ्तार

♦ अधजले शव की गुत्थी सुलझी, 15 हजार के तगादे से परेशान होकर रची थी मौत की खौफनाक साजिश

अमरोहा में महज 15 हजार रुपये के लिए दोस्त ने युवक की हत्या कर दी। सबूत मिटाने के लिए शव पर बाइक रखकर आग लगा दी। पुलिस ने 2 आरोपियों को पकड़ा है।जनपद के दीपपुर झील के जंगल में 13 सितंबर को मिले अधजले शव की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। यह कोई हादसा नहीं, बल्कि महज 15 हजार रुपये के लेनदेन को लेकर रची गई एक खौफनाक हत्या की साजिश थी। मुख्य आरोपी सुखवीर ने अपने साथियों के साथ मिलकर मुकेश की हत्या की थी और पहचान मिटाने के लिए शव को गन्ने के खेत में ले जाकर उसके ऊपर बाइक रखकर पेट्रोल से आग लगा दी थी। पुलिस ने मामले का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तगादे से परेशान होकर रची मौत की साजिश- अपर पुलिस अधीक्षक (ASP) अखिलेश भदौरिया ने प्रेसवार्ता कर इस खौफनाक हत्याकांड का खुलासा किया। एएसपी ने बताया कि मृतक मुकेश (निवासी चक मढैया सतेड़ा) ने कुछ महीने पहले मुख्य आरोपी सुखवीर को 15 हजार रुपये उधार दिए थे। मुकेश लगातार अपने रुपये वापस मांग रहा था, जिसे लेकर दोनों के बीच कई बार तीखी नोकझोंक और विवाद हो चुका था। बार-बार के तगादे से आजिज आकर सुखवीर ने मुकेश को हमेशा के लिए रास्ते से हटाने की साजिश रच

डाली।शराब पिलाई, हत्या की और गन्ने के खेत में जलाया शव-पुलिस जांच में सामने आया कि 12 सितंबर को योजना के तहत सुखवीर और उसके साथियों ने मुकेश को खूब शराब पिलाई। जब वह नशे में धुत हो गया, तो उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। सबूत मिटाने की खौफनाक कोशिश- हत्या के बाद आरोपी शव को दीपपुर झील के जंगल स्थित गन्ने के खेत में ले गए। वहां उन्होंने मुकेश के शव के ऊपर उसकी मोटरसाइकिल रख दी और पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आरोपियों का मकसद शव को पूरी तरह खाक करना था ताकि न शिनाख्त हो सके और न ही हत्या का कोई सुराग बचे। हालांकि, 13 सितंबर की सुबह ग्रामीणों ने अधजला शव देखकर पुलिस को सूचना दे दी। ऐसे पुलिस की गिरफ्त में आए कातिल-घटना की सूचना पर हसनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। एसओजी, सर्विलांस टीम, फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वॉड की मदद से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने सुखराम की तहरीर पर मुख्य आरोपी सुखवीर और उसके साथी के खिलाफ केस दर्ज किया था। एएसपी ने बताया कि विवेचना के दौरान ओमकार, धर्मेंद्र और प्रदीप उर्फ नन्हे के नाम भी प्रकाश में आए। पुलिस ने मुख्य आरोपी सुखवीर (निवासी चक की मढैया सतेड़ा) और ओमकार (निवासी गांव सोहरका, थाना हसनपुर) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सुखवीर की निशानदेही पर पुलिस ने मृतक की खून से सनी शर्ट भी बरामद कर ली है। फरार अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

कटी पतंग पकड़ने की होड़ में गई जान; स्कूल की छत से गिरकर 10 साल के मासूम की दर्दनाक मौत, मचा कोहराम

छत से गिरकर बच्चे की मौत, झारखंड में CRPF जवान ने तोड़ा दम

अमरोहा में कटी पतंग पकड़ने के दौरान स्कूल की छत से गिरकर 10 वर्षीय मासूम की मौत हो गई। वहीं, झारखंड में तैनात हसनपुर के CRPF जवान की भी जान चली गई है।

नगर पंचायत सैद नंगली के वार्ड नंबर 9 में कटी पतंग को पकडते समय 10 वर्षीय किशोर की निजी स्कूलों की छत से गिरकर मौत हो गई। किशोर की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। थाना सैदनगली क्षेत्र के गांव ढक्का मोड निवासी 10 वर्षीय रितिक पुत्र मोनू पतंग पकड़ते समय निजी स्कूल की छत से गिरकर घायल हो गया। उपचार के दौरान किशोर की मौत हो गई।

हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार वर्तमान में नगर पंचायत सैद नगली के वार्ड नंबर 9 स्थित एक किराए के मकान में रह रहा था। बुधवार दोपहर बाद किशोर रितिक एक निजी स्कूल की छत पर कटी पतंग पकड़ रहा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह अचानक निजी स्कूल के छत से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसा होते ही आसपास के लोग और परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में घायल किशोर को पास के एक निजी चिकित्सक के यहां उपचार के लिए भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक किशोर अपने पांच भाई-बहनों में दूसरे नंबर का था। मासूम की अचानक हुई मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।मामले में थानाध्यक्ष संजय प्रताप सिंह ने बताया कि अभी घटना के संबंध में कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। यदि परिजनों की ओर से तहरीर प्राप्त होती है, तो वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।कोतवाली क्षेत्र के गांव दौलतपुर निवासी 37 वर्षीय सीआरपीएफ जवान सुनील गुर्जर पुत्र जयपाल सिंह 2010 में सीआरपीएफ में भर्ती हुए थे। बुधवार की दोपहर झारखंड में ड्यूटी के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। जवान की शहादत की खबर मिलते ही गांव व परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सुनील गुर्जर पांच भाइयों में सबसे छोटे थे। पूर्व में उनकी तैनाती जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में थी और महज एक माह पूर्व ही उनका स्थानांतरण झारखंड के रांची में हुआ था। वह अपने पीछे पत्नी पूनम और एक बेटी व एक बेटा को रोता-बिलखता छोड़ गए हैं।बड़े भाई हितेश भाटी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही परिजन पार्थिव शरीर लेने के लिए रवाना हो गए हैं। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। जवान की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

कच्चा मकान भरभराकर गिरा, मलबे में दबकर बुजुर्ग महिला घायल

रात करीब दो बजे ग्राम मुझियाना में एक ग्रामीण का कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मकान गिरने से उसके मलबे में दबकर एक बुजुर्ग महिला घायल हो गई। क्षेत्र के ग्राम मुझियाना निवासी बाबूराम मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। मंगलवार रात वह अपनी पत्नी सुखिया के साथ अपने कच्चे मकान के आगे के हिस्से में बनी झोपड़ी में सो रहे थे। रात करीब दो बजे बाबूराम को एहसास हुआ कि उनका कच्चा मकान गिर रहा है।भरभराने की आवाज सुनकर वह पत्नी को जगाकर बाहर की तरफ भागे ही थे कि इतने में मकान गिर गया। इस दौरान उनकी पत्नी मकान के मलबे की चपेट में आकर घायल हो गई। तेज आवाज होने से पड़ोस में रह रहे उनके बेटे और पड़ोसी जाग गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने महिला को मलबे से बाहर निकाला। इसके बाद परिजन महिला को इलाज के लिए एक डॉक्टर के यहां ले गए। बुधवार सुबह सूचना पर लेखपाल मौके पर पहुंचे और जांच की।बाबूराम ने बताया कि उनकी बाइक, सिलिंडर, गेहूं, चावल व अन्य घरेलू सामान मकान के मलबे में दबकर खराब हो गया। उन्होंने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

वृद्धा और बेटी पर ईंट-पत्थर से हमला, रिपोर्ट दर्ज

टांडा। सूरजपुर गांव में घर पर ईंट-पत्थर बरसाने से एक वृद्धा और उनकी बेटी घायल हो गईं। पीड़िता ने गांव के पांच लोगों पर आए दिन ईंट-पत्थर बरसाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गांव सूरजपुर निवासी कलसुम जहां ने बताया कि मोहम्मद हसन, इबले हसन, भूरा, आले हसन और नवी अहमद उनके घर पर लगातार ईंट-पत्थर बरसा रहे थे। 11 सितंबर की रात करीब आठ बजे हुए हमले में बेटी फिरोज जहां को सिर, गर्दन और कमर में गंभीर चोटें आईं, जबकि वृद्धा के पैर में भी ईंट लगी। कलसुम जहां ने आरोप लगाया

कि आरोपी प्रार्थना पत्र वापस लेने का दबाव बना रहे हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सीओ पंकज पंत ने बताया कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नौचंदी एक्सप्रेस में मोबाइल फोन छीनकर कूदे आरोपी को 24 घंटे में दबोचा

रामपुर। नौचंदी एक्सप्रेस में यात्री का मोबाइल फोन छीनकर ट्रेन से कूदकर फरार हुए आरोपी को जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से यात्री से छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। 15 सितंबर को प्रयागराज के कौवा बरांव निवासी सर्वेश कुमार पटेल नौचंदी एक्सप्रेस के कोच एस-2 की सीट संख्या 15 पर मुरादाबाद से प्रयागराज की यात्रा कर रहे थे। ट्रेन रात करीब साढ़े 12 बजे रामपुर रेलवे स्टेशन के पास पहुंच रही थी।इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति यात्री के पास आया और उनके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर ट्रेन से कूद गया। घटना के संबंध में यात्री की तहरीर पर जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई थीपुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी शहजाद नगर के करन (22) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को बुधवार को रामपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर मुरादाबाद की ओर अंतिम छोर पर बने साइन बोर्ड के पास से मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया। उसके कब्जे से करीब 30 हजार रुपये कीमत का छीना गया मोबाइल फोन बरामद हुआ है।गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष ईश्वर चंद, उपनिरीक्षक संदीप कुमार, हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र कुमार तथा आरपीएफ पोस्ट रामपुर के कांस्टेबल जोगेंद्र और विशेष कुमार शामिल रहे। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में हैरान करने वाला केस: 28 दिन के नवजात के पेट में पल रहा था भ्रूण, डॉक्टरों ने सर्जरी कर बचाई जान

मुरादाबाद में 28 दिन के नवजात के पेट से 'फीटस इन फीटू' नामक दुर्लभ भ्रूण जैसी संरचना को सफल सर्जरी द्वारा निकाला गया। यह स्थिति अत्यंत दुर्लभ है, जिसमें एक भ्रूण दूसरे के शरीर के अंदर विकसित होता है, और ऑपरेशन के बाद नवजात की हालत में सुधार है।चिकित्सा क्षेत्र में दुर्लभ माने जाने वाले फीटस इन फीटू का मामला मुरादाबाद में सामने आया है। महज 28 दिन के नवजात के पेट में भ्रूण जैसी संरचना थी। जांच में पेट के अंदर बड़ी गांठ के साथ वसा, मुलायम ऊतक और हड्डियों जैसी संरचनाएं दिखाई दीं। एक लंबी हड्डी जैसी संरचना मिलने के बाद चिकित्सकों ने फीटस इन फीटू की आशंका जताई।

बाल रोग सर्जन एवं पीडियाट्रिक यूरोलाजिस्ट डॉ. रघु प्रकाश ने विशेषज्ञ टीम के साथ सफल ऑपरेशन कर इस संरचना को बाहर निकाला। चिकित्सक के अनुसार, फीटस इन फीटू एक अत्यंत दुर्लभ जन्मजात स्थिति है, जिसमें एक भ्रूण दूसरे भ्रूण के शरीर के अंदर विकसित होने लगता है। चिकित्सकीय दृष्टि से इसे परजीवी जुड़वां (पेरासिटिक ट्विंस) से जुड़ी स्थिति माना जाता है।

यह सामान्य गर्भावस्था में होने वाले जुड़वां बच्चों की तरह अलग-अलग विकसित नहीं होता, बल्कि गर्भावस्था के शुरुआती चरण में भ्रूणों के असामान्य विकास की वजह से एक भ्रूण दूसरे के शरीर में समाहित हो जाता है। चिकित्सक के अनुसार, इस वजह से पेट में दबाव, पेट फूलना, उल्टी, दूध पीने में परेशानी, सांस लेने में दिक्कत या आंत और आसपास के अंगों पर दबाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कई मामलों में यह जन्म के समय या नवजात अवस्था में पेट में गांठ के रूप में सामने आता है। हालांकि हर मामले में लक्षण एक जैसे नहीं होते। उन्होंने बताया कि चिकित्सकीय साहित्य में इसकी अनुमानित दर करीब पांच लाख जीवित जन्म में एक बताई गई है।

नवजात की बेहद कम उम्र के कारण सर्जरी चुनौतीपूर्ण थी। एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. प्रियल गुप्ता ने सुरक्षित बेहोशी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपरेशन के बाद नवजात की हालत में लगातार सुधार हुआ।

चलती बस से गिरा पांच वर्षीय मासूम, चालक भागा

दढ़ियाल। बुधवार दोपहर टांडा-बाजपुर मार्ग पर एक तेज रफ्तार निजी बस में हादसा हो गया। सामने से वाहन बचाने के चक्कर में बस मोड़ने पर पांच वर्षीय मासूम नीचे गिरकर गंभीर घायल हो गया।

भूवरा, स्वार निवासी प्रियांशु (5) अपनी दादी कमलेश के साथ टांडा से दढ़ियाल आ रहा था। बस तेज गति से दढ़ियाल की ओर जा रही थी। चालक ने सामने से आ रहे वाहन को बचाने के लिए अचानक बस को तेज गति से मोड़ा। इस दौरान खिड़की के पास दादी की गोद में बैठा प्रियांशु हाथ से छूटकर सड़क पर जा गिरा।

मासूम के गिरते ही यात्रियों ने शोर मचाया। चालक ने कुछ दूर जाकर बस रोकी, फिर मौका पाकर भाग गया। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर त्रिवेणी शुगर मिल में खड़ा करा दिया है। घायल प्रियांशु का दढ़ियाल के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्रियांशु के पिता विजय सिंह ने बस चालक के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।

जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल का आरोप, युवक पर कार्रवाई

शाहबाद। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए एक युवक वंश गुप्ता का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। इसके बाद भीम आर्मी और वाल्मीकि समाज के लोग कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली पहुंच गए। पुलिस ने युवक को तत्काल हिरासत में लेकर बुधवार शाम शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया।

हालांकि, समाज के लोग युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। कार्रवाई से असंतुष्ट भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सुनील सागर ने 17 सितंबर को सुबह 10-30 बजे कोतवाली पर एकत्र होने की अपील की है। उन्होंने आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे जेल भेजने की मांग की है। सीओ देवकीनंदन ने युवक का शांतिभंग में चालान किए जाने की पुष्टि की।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पीएम मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल पर बरेली में लगा महा रक्तदान शिविर, 'करो रक्तदान, बचाओ जान' का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के सफल 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले भर में संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को 300 बेड रीजनल अस्पताल में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अफसरों, चिकित्सकों और आमजन ने बढ़-चढ़कर स्वैच्छिक रक्तदान किया।

अस्पताल परिसर में उमड़ा सेवा का सैलाब शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना और जरूरतमंद मरीजों को आपात स्थिति में समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, महापौर उमेश गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, मीरगंज विधायक डॉ. डी. सी. वर्मा, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, एमएलसी बहरोन लाल मौर्य और राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पाण्डेय सहित प्रशांत पटेल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। प्रशासनिक अमले ने भी बढ़ाया उत्साह- रक्तदान शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। मंडलायुक्त शंभू कुमार, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लईक की देखरेख में स्वास्थ्य विभाग की विशेषज्ञ टीमों ने रक्तदाताओं के स्वास्थ्य की मानक जांच करने के बाद ही रक्त संकलित किया। शिविर में युवाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान करने वाले सभी प्रतिभागियों को उनके इस अमूल्य सामाजिक योगदान के लिए स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन की ओर से प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। हर स्वस्थ नागरिक को आगे आकर ऐसे पुनीत कार्यों में भाग लेना चाहिए ताकि आपात स्थिति में किसी भी मरीज की जान रक्त के अभाव में न जाए।

चलती बाइक में लगी आग चालक ने कूदकर बचाई जान, मची अफरा-तफरी

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। गुरुवार को चलती मोटरसाइकिल में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। हादसा इज्जतनगर थाना क्षेत्र में आईवीआरआई के पशु चिकित्सा गेट के सामने हुआ। बाइक सवार पशु को दिखाकर वापस लौट रहा था। इसी दौरान मोटरसाइकिल में अचानक आग लग गई। कुछ ही पलों में बाइक से तेज लपटें उठने लगीं। मोटरसाइकिल में आग लगते ही चालक घबरा गया। उसने किसी तरह बाइक रोककर तुरंत उससे दूरी बना ली और मौके से भागकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते आग ने पूरी मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। सड़क पर बाइक धू-धूकर जलने लगी। अचानक उठती आग की लपटों को देखकर आसपास मौजूद लोग भी सहम गए। आग इतनी तेजी से फैली कि चालक को बाइक बचाने का मौका तक नहीं मिला। कुछ ही देर में मोटरसाइकिल का अधिकांश हिस्सा जल गया। आग बुझने के बाद मौके पर बाइक का जला हुआ ढांचा ही बचा। घटना के बाद वहां लोगों की भीड़ जुट गई और काफी देर तक हादसे की चर्चा होती रही। गनीमत रही कि मोटरसाइकिल में आग लगने के दौरान चालक समय रहते उससे दूर हो गया। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बाइक में आग किस वजह से लगी, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। शुरुआती तौर पर चलते वाहन में अचानक आग लगने की बात सामने आ रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अदालती चक्करों से मुक्ति: 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 3.0' से सुलझेंगे वर्षों पुराने विवाद

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। सुप्रीम कोर्ट की मीडिएशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी और यूपी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर बरेली में 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान-3.0' शुरू हो गया है। जनपद न्यायाधीश प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान का मकसद अदालतों में लंबित मुकदमों को बिना लंबी कानूनी लड़ाई के आपसी समझौते से खत्म कराना है। अभियान का शेड्यूल- पहला चरण (1 अगस्त से 30 सितंबर)- मुकदमों की पहचान, स्क्रीनिंग और पक्षकारों को नोटिस। मुख्य चरण (1 अक्टूबर से 31 दिसंबर)- मामलों का अंतिम निस्तारण (ऑफलाइन, ऑनलाइन और हाइब्रिड मोड में उपलब्ध)। किन मामलों का होगा समाधान- वैवाहिक विवाद, डीवी एक्ट, 498/85 BNS, चेक बाउंस, सड़क दुर्घटना क्लेम, संपत्ति बंटवारा, उपभोक्ता विवाद, कर्ज वसूली, बेदखली, लेबर एक्ट और समझौते योग्य आपराधिक व सिविल मामले। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव सुव्रत पाठक ने आम जनता, अधिवक्ताओं और समाजसेवियों से अपील करते हुए कहा कि मध्यस्थता हार-जीत का नहीं, बल्कि रिश्ते जोड़ने का जरिया है। वर्षों पुराने मुकदमों को हमेशा के लिए समाप्त करने के इस मौके का नागरिक बढ़-चढ़कर लाभ उठाएं।

मलबे में दबकर 25 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत; बच्चों के सिर से उठा मां का साया

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। आसपास के इलाकों में गुरुवार सुबह आई तेज आंधी और बारिश ने जमकर कहर बरपाया। वहीं सीबीगंज थाना क्षेत्र के बल्ला कोठा गांव में बारिश के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक घर की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसके मलबे में दबकर 25 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इस अचानक हुए हादसे से पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पशुओं को चारा डालते समय हुआ हादसा-जानकारी के अनुसार, बल्ला कोठा गांव निवासी कृष्णपाल मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। कृष्णपाल ने बताया कि गुरुवार सुबह मौसम खराब था और तेज आंधी के साथ बारिश हो रही थी। इसी दौरान उनकी 25 वर्षीय पत्नी गणेशी घर के पालतू पशुओं को चारा डालने के लिए गई थीं। तभी तेज हवा और बारिश के झोंके से घर की एक दीवार अचानक गिर गई। गणेशी को वहां से भागने या बचने का मौका ही नहीं मिला और वह भारी मलबे के नीचे दब गईं, जिससे मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई।

तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया-दीवार गिरने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और भारी मशक्कत के बाद मलबे से महिला को बाहर निकाला,

लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। मृतका गणेशी अपने पीछे तीन छोटे बच्चों (दो बेटे और एक बेटी) को रोता-बिलखता छोड़ गई है। बच्चों के सिर से अचानक मां का साया उठ जाने से पूरे गांव का माहौल गमगीन है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा हादसे की सूचना मिलने पर सीबीगंज थाना पुलिस और प्रशासन की टीम फौरन घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक (स्ढ्ढ) संजीव कुमार ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिजनों से पूछताछ की।

पुलिस ने बताया कि आवश्यक लिखा-पढ़ी और पंचनामा भरने की कार्रवाई पूरी कर ली गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया व आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आंधी-बारिश ने थामी शहर की रफ्तार, दीवार गिरने से महिला की मौत; किला पुल से स्वालेनगर तक लगा भीषण जाम

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। शहर में गुरुवार सुबह अचानक बदले मौसम के मिजाज ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज आंधी और झमाझम बारिश की वजह से जहां एक ओर यातायात व्यवस्था चरमरा गई, वहीं दूसरी ओर कई जगहों पर भारी नुकसान की खबरें सामने आई हैं। सीबीगंज इलाके में दीवार गिरने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि शहर में जगह-जगह पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई।

किला पुल से मिनी बाईपास तक रेंगते रहे वाहन- गुरुवार सुबह तेज हवाओं के चलते शहर की कई मुख्य सड़कों पर पेड़ और डालियां टूटकर गिर गईं, जिससे रास्ते बाधित हो गए। भीषण जाम- किला - पुल के आसपास वाहनों का दबाव अचानक बढ़ गया। देखते ही देखते वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और जाम स्वालेनगर से होते हुए मिनी बाईपास तक पहुंच गया। नाले में गिरीं भैंसें- इसी अफरातफरी के बीच स्वालेनगर में एक निर्माणाधीन नाले में दो भैंसें गिर गईं, जिन्हें निकालने के लिए स्थानीय लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना पड़ा।

सीबीगंज में दीवार गिरने से 25 वर्षीय महिला की मौत-तेज आंधी और बारिश का सबसे दर्दनाक असर सीबीगंज थाना क्षेत्र के बल्लाकोठा गांव में देखने को मिला। गुरुवार सुबह बारिश के दौरान यहां एक घर की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार के भारी मलबे की चपेट में आकर 25 वर्षीय महिला गणेशी गंभीर रूप से दब गई और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और पीड़ित परिवार में कोहराम छा गया।

परिजनों ने फौरन घटना की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी है। टूटे बिजली के खंभे, फसलों को भी भारी नुकसान- आंधी और बारिश ने शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी भारी तबाही मचाई है। बिजली गुल- मढ़ीनाथ उपकेंद्र से निकलने वाली 11 हजार केवी की बंसी नगला लाइन पर एक भारी भरकम पेड़ गिर गया। इस वजह से बिजली के पांच खंभे टूट गए और पूरे इलाके की बत्ती गुल हो गई।

टाइपिंग में हैट्रिक फेल: कनिष्ठ लिपिक से सीधे चपरासी बने रेहान खान, DM का एक्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। मीरगंज तहसील में मृतक आश्रित कोटे से लिपिक रेहान खान बार टाइपिंग परीक्षा पड़ गया। अविनाश सिंह ने कड़ा कदम उठाते तैनात कनिष्ठ को लगातार तीन में फेल होना भारी जिलाधिकारी शासनादेश के तहत हुए उन्हें पदावनत (डिमोट) कर चतुर्थ श्रेणी (चपरासी) पद पर भेज दिया है। रेहान की नियुक्ति जुलाई 2021 में हुई थी, लेकिन वे सितंबर 2023, जून 2024 और सितंबर 2026 की तीनों टंकण परीक्षाओं में पास नहीं हो सके। अन्य कर्मचारियों को अल्टीमेटम टंकण परीक्षा में फेल रहे अन्य मृतक आश्रित कर्मियों को डीएम ने संभलने के लिए दो माह का समय दिया है- राहुल कुमार व लक्ष्मी सक्सेना- तीसरा और अंतिम मौका मिला। कंचित चौधरी व नेहा जोशी- दूसरा अवसर प्रदान किया गया। तय समय में परीक्षा पास न करने पर इन कर्मचारियों पर भी डिमोशन की कार्रवाई तय है।

नंबरों का ऐसा नशा: बरेली में VIP नंबर 9999 के लिए लगा दी 1 लाख की बोली!

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । लग्जरी गाड़ियों के साथ-साथ वीआईपी नंबरों का क्रेज युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। मनपसंद नंबर हासिल करने के लिए वाहन मालिक जेब ढीली करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। परिवहन विभाग की ताजा 'EX' सीरीज की नीलामी में जमकर बोलियां लगीं। 9999: सबसे महंगा नंबर, बिका पूरे1 लाख में। 0777: दूसरा सबसे पसंदीदा नंबर, 50 हजार में हुआ लॉक। अन्य नंबर्स- कई आकर्षक अंकों पर 25 हजार से 1 लाख तक की बोलियां लगीं। एक सीरीज में 9999 तक नंबर होते हैं, जिसके पूरा होते ही नई सीरीज जारी होती है। वहीं, सरकारी वाहनों के लिए 'G' सीरीज आरक्षित रहती है, जिसमें वीआईपी नंबर नहीं दिए जाते। 15 सितंबर को बोली खत्म होने तक विभाग को इन खास नंबरों से तगड़ा राजस्व मिला है।

चोरी की बाइक पर ससुराल जा रहा शातिर चोर गिरफ्तार, आंवला पुलिस ने भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली,आंवला । पुलिस ने अलीगंज मार्ग पर चेकिंग के दौरान चोरी की बिना नंबर वाली मोटरसाइकिल के साथ एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान संभल जिले के चंदौसी थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर निवासी मुस्तकीम (30) के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा बाइक के चेसिस नंबर को ई-चालान ऐप पर जांचने पर पता चला कि यह बाइक आंवला निवासी पटवारी लाल की है, जो तहसील परिसर से चोरी हुई थी। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह मक्के के दाने बेचने का काम करता है और उसने बाइक पर ठेला लगवाने के उद्देश्य से इसे चुराया था। पहचान छिपाने के लिए उसने नंबर प्लेट हटा दी थी

और घटना के समय वह अपनी ससुराल (फूटा दरवाजा, आंवला) जा रहा था। पुलिस के मुताबिक आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास भी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक होराम सिंह, हेड कांस्टेबल कुलदीप सिंह व अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

आंधी में गिरा 100 साल पुराना आस्था का वटवृक्ष पेड़ : ग्रामीणों की आंखें हुईं नम

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली , सीबीगंज। क्षेत्र के चन्दपुर जोगियान गांव में गुरुवार को आई भीषण आंधी ने आस्था के एक बड़े केंद्र को जमींदोज कर दिया। गांव के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में खड़ा करीब एक सदी सौ वर्ष पुराना विशालकाय बरगद का पेड़ तेज हवाओं के झोंके नहीं झेल सका और भरभराकर गिर पड़ा। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन पेड़ के गिरते ही ग्रामीणों में शोक और मायूसी सी छा गई। सैकड़ों परिवारों की आस्था का था केंद्र यह वटवृक्ष महज एक पेड़ नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही धार्मिक मान्यताओं का साक्षी था। वट सावित्री का प्रमुख स्थल- हर साल वट सावित्री व्रत पर दूर-दराज से सुहागिनें यहां अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए परिक्रमा व पूजा करने जुटती थीं। ?धार्मिक अनुष्ठानों का केंद्र- मंदिर परिसर में होने वाले लगभग सभी बड़े अनुष्ठान इसी वृक्ष की छांव में संपन्न होते आए थे।

पेड़ धराशायी होने की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों का तांता लग गया। बुजुर्गों और महिलाओं की आंखें उस धरोहर को जमीन पर देख भर आईं, जिसे उन्होंने बचपन से देखा और पूजा था। ग्रामीणों का कहना है कि तूफान ने सिर्फ एक पेड़ नहीं गिराया, बल्कि गांव की कई पीढ़ियों की साझी स्मृतियों और आस्था के प्रतीक को उनसे छीन लिया।

गणेश विसर्जन: एसएसपी ने ली वर्चुअल बैठक, 24 घंटे सुरक्षा और सोशल मीडिया पर निगरानी के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। आगामी गणेश प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने बुधवार देर रात गूगल मीट के जरिए समीक्षा बैठक की। उन्होंने विसर्जन यात्राओं और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सख्त रखने के निर्देश दिए। प्रमुख बिंदु: कड़ी सुरक्षा व्यवस्था- विसर्जन जुलूसों में बॉक्स फॉर्मेशन में पुलिस तैनात रहेगी और प्रतिमा स्थलों पर 12-12 घंटे की शिफ्ट में 24 घंटे पहरा रहेगा। सोशल मीडिया पर नजर: भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट डालने वालों पर 24 घंटे सक्रिय सोशल मीडिया सेल के जरिए तुरंत सख्त कार्रवाई होगी। अराजक तत्वों पर कार्रवाई: माहौल बिगाड़ने वालों पर निरोधात्मक कार्रवाई होगी और डायल-112 व गश्त गाड़ियां संवेदनशील इलाकों में लगातार सक्रिय रहेंगी।'संवाद कार्यक्रम' की वापसी: जनसमस्याओं के समाधान और आपसी सामंजस्य के लिए पुलिस अधिकारी स्थानीय नागरिकों के साथ नियमित बैठकें करेंगे। बैठक में जनपद के सभी एएसपी, सीओ और थाना प्रभारी शामिल रहे।

टूटी सड़क के निर्माण की मांग को लेकर शिवसेना ने सौंपा ज्ञापन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। शाहबाद रोड स्थित मंदिर पोड़ा खेड़ा, पुरानी तहसील, मोहल्ला बाजार और प्रथमा बैंक मार्केट के व्यापारियों की लंबे समय से चली आ रही सड़क की समस्या को लेकर गुरुवार को शिवसेना के जिला उपप्रमुख राजीव सक्सेना के नेतृत्व में नगर पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव को ज्ञापन सौंपा गया। व्यापारियों ने क्षतिग्रस्त सड़क का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि शाहबाद रोड से मंदिर पोड़ा खेड़ा मार्केट की ओर जाने वाली सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हैं। बरसात के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे व्यापारियों के साथ ही राहगीरों और वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है व्यापारियों ने कहा कि जलभराव के कारण ग्राहकों का बाजार में आना कम हो जाता है, जिसका सीधा असर उनके कारोबार पर पड़ता है। वहीं, सड़क की खराब स्थिति के कारण स्कूली बच्चों को भी आवागमन में परेशानी होती है। व्यापारियों को धूल, गड्ढों और सड़क पर बिखरे पत्थरों के कारण भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षतिग्रस्त सड़क के चलते दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।व्यापारियों के अनुसार वे करीब दो वर्षों से इस समस्या से परेशान हैं। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से सड़क का स्थायी समाधान कराकर नए सिरे से निर्माण कराने की मांग की। शिवसेना जिला उपप्रमुख राजीव सक्सेना ने कहा कि व्यापारियों की समस्या को देखते हुए नगर पालिका को शीघ्र सड़क निर्माण कराना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 15 दिन के भीतर सड़क निर्माण शुरू नहीं कराया गया तो शिवसेना व्यापारियों के साथ नगर पालिका परिषद में धरना-प्रदर्शन करेगी। ज्ञापन देने वालों में महेश सिंह, हरी बाबू, सुशील शर्मा, विनोद यादव, रविशंकर रस्तोगी, अभिषेक शर्मा, संजय गुप्ता, अमित गुप्ता, मनोज गुप्ता, मयूर गुप्ता, विशाल गुप्ता, सुभाष, सचिन, बीनू ठाकुर, पुखराज गुप्ता, इशरत अली सैफी, जुगनू सैफी, कमर अली, टिंकू गर्ग, रिंकू गर्ग, विकास सक्सेना, मुशर्रफ अली सैफी और शाहनवाज सैफी सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक एवं व्यापारी मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान में रक्तदान शिविर, मरीजों को वितरित किए फल

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलारी में रक्तदान शिविर एवं फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिविर का उद्घाटन नामित सभासद गीता कोहली, जिला सह-संयोजक लवी सक्सेना तथा अर्चन वैश्य ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और फल वितरित किए। कार्यकर्ताओं ने मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए सेवा और संवेदना का संदेश दिया। मरीजों एवं उनके परिजनों ने इस पहल की सराहना की। भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों द्वारा उनके दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की जा रही है। उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रत्येक बूथ पर 'आशीर्वाद का दिया' प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता एवं शुभकामनाएं व्यक्त की जा रही हैं। इस अवसर पर मनोज ठाकुर, अंकुर भटनागर, रविंद्र सिंह, गीता शर्मा, राजीव सैनी, दिनेश चौधरी, वीरपाल कोहली, हरिशंकर आर्य, नवनीत यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जैन, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजपाल सिंह, अस्पताल के कर्मचारी एवं भाजपा पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सेवा संकल्प अभियान के तहत सीएचसी में मरीजों को बांटे फल

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) फतेहगंज पश्चिमी में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा और सीएचसी प्रभारी डॉ. संचित शर्मा ने अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए। दोनों ने मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा और जनकल्याण के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। जरूरतमंदों और मरीजों की सेवा करना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। सीएचसी प्रभारी डॉ. संचित शर्मा ने कहा कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उनकी जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। सेवा भावना से आयोजित ऐसे कार्यक्रम मरीजों का मनोबल बढ़ाते हैं। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश शर्मा, सीएचसी स्टाफ समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

फतेहगंज पश्चिमी के 33/11 केवी पावर हाउस पर हर्षोल्लास से मनी विश्वकर्मा जयंती, हुई भव्य पूजा-अर्चना

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी। कस्बा स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र पर बुधवार को श्री विश्वकर्मा जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पावर हाउस परिसर में विधि-विधान से भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य पंडित उज्जवल पाराशरी द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। पूजन के बाद समस्त स्टाफ ने भगवान विश्वकर्मा की आरती की और सुख-समृद्धि व निर्बाध विद्युत आपूर्ति की कामना की। आरती के उपरांत सभी को मिष्ठान वितरित किया गया।मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के प्रथम शिल्पकार हैं और मशीनों-औजारों के अधिष्ठाता हैं। इसलिए विद्युत विभाग में हर वर्ष इस पर्व को विशेष महत्व दिया जाता है।इस मौके पर उपखंड अधिकारी अंकित द्विवेदी ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद से ही तकनीकी कार्य कुशलता से संपन्न होते हैं।कार्यक्रम में उपखंड क्लर्क अंकिता सक्सेना, अवर अभियंता रमेश चंद्र, टेक्नीशियन आदिल मलिक, प्रवीण शर्मा, सुपरवाइजर राजेश, मीटर रीडर उज्जवल पाराशरी, राकेश महेश्वरी, इकरार, मोहित महेश्वरी, हरवीर सिंह, सुनील कुमार समेत विद्युत विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बरेली में मिलावटखोरों पर टूटा कहर, 25 कारोबारियों पर ?20.75 लाख का भारी जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच/ बरेली। जिले में जनता की सेहत से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों और नियमों की अनदेखी करने वाले व्यापारियों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ. अविनाश त्रिपाठी की अदालत ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत लंबित 25 मुकदमों का एक साथ निस्तारण करते हुए दोषियों पर कुल 20 लाख 75 हजार रुपये का भारी-भरकम जुर्माना ठोका है। खाद्य तेल, फूट जूस और नमकीन के अधोमानक (सब-स्टैंडर्ड) नमूने मिलने तथा बिना पंजीकरण/लाइसेंस के धंधा चलाने पर यह कार्रवाई की गई है। इस फैसले के बाद मिलावटखोर सिंडिकेट में खलबली मच गई है। किसे कितनी लगी चपत- ?खण्डेलवाल एडिबल ऑयल प्रा. लि.: अधोमानक खाद्य तेल बेचने पर 2.50 लाख और बिना वैध लाइसेंस के ट्रेडिंग करने पर ?1.50 लाख समेत कुल 4 लाख का जुर्माना। अभिषेक रीटेल इंडिया प्रा. लि.- घटिया क्वालिटी की लीची फ्रूट ड्रिंक (Nutriraja) बनाने और बाजार में खपाने के जुर्म में ?2.50 लाख का जुर्माना। Subhash's Traditional Indian Namkeen: अधोमानक चिंटू ब्रांड नमकीन बेचने के आरोप में?1.50 लाख का अर्थदण्ड। अन्य 22 कारोबारी- मिलावटी सामग्री बेचने और खाद्य नियमों का उल्लंघन करने पर शेष 22 व्यापारियों पर भी लाखों का जुर्माना लगाया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि शहरवासियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग को नियमित सैंपलिंग जारी रखने और बिना लाइसेंस संचालित दुकानों पर तत्काल सीलिंग की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 76वें जन्मदिन पर मटेरा में धूम

विधानसभा 284 में जिला मंत्री आलोक जिंदल ने कार्यकर्ताओं संग केक काटकर मनाया जन्मदिन

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिंह/ मटेरा / बहराइच - देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर पूरे देश में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में विधानसभ 284 मटेरा, जिला बहराइच भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री श्री आलोक जिंदल जी के निवास पर प्रधानमंत्री जी का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला मंत्री आलोक जिंदल द्वारा केक काटकर प्रधानमंत्री जी का जन्मदिन कार्यकर्ताओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री जी की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना की। श्री जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। गरीब कल्याण योजनाओं से लेकर विश्व में भारत का मान बढ़ाने तक, मोदी जी का कार्यकाल ऐतिहासिक है। आज उनके जन्मदिन पर हम सभी कार्यकर्ता संकल्प लेते हैं कि उनके बताए मार्ग पर चलकर पार्टी को और मजबूत करेंगे। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता, मंडल अध्यक्ष को शुक्ला मनोज सिंह विक्की यादव आलोक अग्रवाल मौजूद रहे भाजपा युवा नेता अमरीश मित्तल आयुष अग्रवाल पंकज अमरीक सिंह क्षेत्र के लोग महिला मोर्चा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में लड्डू वितरण कर खुशी मनाई गई। कार्यकर्ता गण बड़ी माता मंदिर में दीप जलाकर प्रधानमंत्री मोदी जी की दीर्घायु आयु की कामना की

सेवा संकल्प दिवस पर रक्तदान शिविर एवं फल वितरण

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच सेवा संकल्प दिवस के अंतर्गत गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बिलारी में चिकित्सा अधीक्षक की निगरानी में रक्तदान शिविर एवं फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन नामित सभासद गीता कोहली एवं जिला सह-संयोजक लवी सक्सेना ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम के उपरांत अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए। इस दौरान मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। रक्तदान शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने के इस प्रयास में सहयोग किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजपाल सिंह ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलारी के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर भी सेवा संकल्प दिवस के अंतर्गत शाम सात बजे दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सेवा भावना को बढ़ावा देना और लोगों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ना है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता, मनोज ठाकुर, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय कुमार जैन, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक चंचल सिंह आजाद, चीफ फार्मासिस्ट आरपी वर्मा, डॉ. जीशान, डॉ. रेशम बजाहत, मनीष कुमार, अमित कुमार, वीरेंद्र सिंह, विकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

नवागत जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सुरभि तिवारी ने कार्यभार ग्रहण किया

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- नवागत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विदिशा श्रीमती सुरभि तिवारी ने गत दिवस जिला पंचायत कार्यालय पहुंचकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने जिला पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। श्रीमती तिवारी ने जिला पंचायत के अधिकारियों से विभागवार योजनाओं, ग्रामीण विकास कार्यक्रमों, पंचायत एवं ग्रामीण विकास से संबंधित कार्यों तथा योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना प्राथमिकता रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्णता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मैदानी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जन समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचने पर जोर दिया। नवागत सीईओ ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम भावना के साथ कार्य करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की मंशा के अनुरूप विकास एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को गति देने की अपेक्षा व्यक्त की ।उन्होंने कहा कि जिला पंचायत से संबंधित कार्यों में पारदर्शिता , समयबद्धता और बेहतर सामान्वय के साथ कार्य किया जाए ,ताकि ग्रामीण अंचलों में विकास कार्यों का प्रभावी लाभ आमजन को मिल सके। कार्य भार ग्रहण करने के अवसर पर जिला पंचायत के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गृहकर वृद्धि के विरोध में उपभोक्ता फोरम और हाईकोर्ट जाने की तैयारी

सम्भल। राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद की बैठक हल्लू सराय स्थित चामुंडा कॉलोनी के प्रशासनिक कार्यालय में हुई। बैठक में नगर पालिका परिषद द्वारा गृहकर एवं जलकर में की गई वृद्धि सहित जनता से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। परिषद की ओर से पूर्व में किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की गई।परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के.के. मिश्र ने कहा कि करीब एक माह पूर्व नगर पालिका परिषद द्वारा गृहकर में की गई वृद्धि के संबंध में मुख्यमंत्री के नाम सिटी मजिस्ट्रेट, मंडलायुक्त और नगर विकास मंत्री को ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन में आरोप लगाया गया था कि गृहकर में अत्यधिक वृद्धि की गई है और कई मामलों में बिना निर्धारित मानकों के कर का निर्धारण किया गया। भवन निर्माण के मानक दरों के आधार पर कर निर्धारित नहीं किए जाने तथा कर्मचारियों द्वारा मनमाने तरीके से कर निर्धारण किए जाने से सभी वर्ग प्रभावित हैं। मध्यम और गरीब वर्ग को इससे विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गथ ही संगठन को मजबूत करने के लिए चलाए जा रहे प्राथमिक सदस्यता अभियान की भी समीक्षा की गई। राष्ट्रीय संगठन मंत्री बृजेश यादव ने बताया कि नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा को सौंपे गए ज्ञापन में गृहकर एवं जलकर की वृद्धि को संशोधित करने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा कि अभी तक ज्ञापन की जांच संख्या प्राप्त नहीं हुई है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि गृहकर और जलकर में की गई वृद्धि से संबंधित शिकायत की जांच के निर्णय के बाद ही कर जमा कराया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता के.के. मिश्र ने तथा संचालन डी.पी. शर्मा ने किया। इस दौरान शाहिद हुसैन, डी.पी. शर्मा, मौ. अली, रवि गुलाटी, सुमित शर्मा, प्रदीप गुप्ता, शाहनवाज संभाली, अमित गौतम, ज्ञानेंद्र, अमित सक्सेना, इकराम वारसी, राकेश वार्ष्णेय, सतीश शर्मा, जितेंद्र मिश्रा, डा. आसिफ, हाशिम अली, बृजेश यादव, तेजपाल सिंह, होराम सिंह, एस.पी. दीवाना, ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, अंकुर गोयल आदि मौजूद रहे।

पीड़ित जितेंद्र ने लगाई पुलिस से न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ विजयगढ़ थाना क्षेत्र के नगला ढक भाकरी अहिवासी गांव के रहने वाले जितेंद्र कुमार ने अपनी पत्नी पूजा देवी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जितेंद्र का कहना है कि उनकी पत्नी उनके घर पर न होने पर 50 हजार रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण, एक तांगा, एक घोड़ी, दो भैंस और उनके एक बेटे व एक बेटी को अपने साथ लेकर भाग गई है। जितेंद्र कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी को भगाने वालों में अलीगढ़ के हरदुआगंज थाना क्षेत्र के जदोला गांव का सोनू पुत्र शंकर लाल, मंडी के सामने रहने वाले सीटू पुत्र शीशपाल और राजकुमारी पुत्री ऋषिपाल शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन लोगों के साथ एक टेंपो और दो अज्ञात व्यक्ति भी थे। जितेंद्र ने इस मामले में थाने में शिकायत पत्र दिया है। इस संबंध में हल्का प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता ने बताया कि थाने में शिकायत आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

लाइनमैन को धमकाने का मामला, देने पड़े 10 हजार

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ़। गांव सिंधौली में बिजली बिल बकाया होने पर कनेक्शन काटने पर लाइनमैन को धमकाने के मामले में 10 हजार रुपये जमा कराने पड़े। कनेक्शन काट दिया... अब हम तुम्हें काट देंगे बकाया होने या कनेक्शन काटने से बताकर लाइनमैन को दी नौकरी खुद को मंत्री का पीआरओ से निकलवाने की धमकी मैन को नौकरी से हटाने अधिशासी अभियंता राजीव कुमार भारती ने बताया कि उन्होंने शेष बकाया एक-दो दिन में देते की बात कही है। इसके बाद उनका कनेक्शन जोड़ दिया गया। दरअसल उपभोक्ता कमलेश देवी पर 19,525 रुपये बकाया था। लाइनमैन ओमवीर ने उनका कनेक्शन काट दिया। आरोप है कि कमलेश के बेटे सुमित ने लाइनमैन को धमकाया। सुमित पुलिस में है और एक मंत्री की सुरक्षा में तैनात है। आरोप है कि उसने मंत्री का पीआरओ बताकर फोन पर बात कराई और लाइनमैन को नौकरी से हटवाने की धमकी दी।

मटेरा थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक, एक सप्ताह में दूसरी चोरी से मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच/ अमरीक सिंह/ बहराइच/ भगवानपुर के मजरा पसियन पुरवा में घर में सेंध लगाकर चोरों ने उड़ाए जेवरात, बर्तन और नकदी राकेश कुमार के घर को बनाया निशाना, परिवार की तीन बहुओं के जेवरात चोरी होने की जानकारी लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में चिंता, खुलासे का इंतजार बहराइच। थाना मटेरा क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार की रात ग्राम सभा भगवानपुर के मजरा पसियन पुरवा में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए सेंध लगाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पीड़ित परिवार में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं, एक सप्ताह के भीतर थाना क्षेत्र में दूसरी चोरी की घटना सामने आने से ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है जानकारी के अनुसार, भगवानपुर के मजरा पसियन पुरवा निवासी राकेश कुमार पुत्र रंगीला के घर में बुधवार की रात चोरों ने सेंध लगाकर प्रवेश किया। चोर घर में रखे परिवार की तीन बहुओं के जेवरात, बर्तन और कुछ नकदी लेकर फरार हो गए। सुबह चोरी की जानकारी होने पर परिवार में अफरा-तफरी मच गई। घर में सामान बिखरा मिलने से परिजन परेशान हो

तेज तूफान का कहर, पेड़ गिरने से भैंस की मौत, मुख्य मार्ग और बिजली आपूर्ति ठप

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी। गुरुवार सुबह क्षेत्र में आए तेज तूफान ने ग्राम टीयर खेड़ा में काफी नुकसान किया। तूफान के दौरान पेड़ गिरने से छेदलाल की एक भैंस की मृत्यु हो गई, जबकि दूसरी भैंस घायल हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने पेड़ हटाकर पशुओं को बाहर निकाला। क्षेत्रीय लेखपाल ने भैंस की मृत्यु की जानकारी ली और आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही है। तूफान के दौरान मंदिर परिसर में खड़ा बरगद का विशाल पेड़ जड़ समेत उखड़कर सड़क पर जा गिरा। पेड़ इतना विशाल था कि मंदिर परिसर से गिरने के बाद उसने गांव का मुख्य मार्ग पूरी तरह घेर लिया। इससे फतेहगंज पश्चिमी से टीयर खेड़ा होते हुए पनबढ़िया और भोलापुर को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग बाधित हो गया। पेड़ गिरने से मार्ग पर आवागमन ठप हो गया और ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीण पेड़ को हटाकर रास्ता खोलने के प्रयास में जुटे रहे। तेज तूफान के कारण गांव में कई अन्य पेड़ भी उखड़कर गिर गए। पेड़ों के बिजली के खंभों पर गिरने से खंभे टूट गए और विद्युत तार क्षतिग्रस्त हो गए। इससे गांव की बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। तूफान की तेज हवा से खेतों में खड़ी धान और गन्ने की फसल भी गिर गई। कई किसानों की फसल को नुकसान पहुंचने से उन्हें आर्थिक क्षति हुई है।

सेवा से स्वावलंबन तक–जालौन में शुरू हुआ 'सेवा संकल्प अभियान

राजकीय मेडिकल कॉलेज में 'सेवा दिवस–आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम, पात्र लाभार्थियों को मिली योजनाओं की सौगात

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के अवसर पर जनपद में सेवा, सम्मान और स्वावलंबन की भावना को समर्पित 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया गया। राजकीय मेडिकल कॉलेज, उरई के ऑडिटोरियम में आयोजित 'सेवा दिवस-आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी समीर, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, विधान परिषद सदस्य के प्रतिनिधि मयंक त्रिपाठी, अपना दल जिला अध्यक्ष अनिल कुदारी तथा भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने किया। 17 सितंबर से 17

अक्टूबर 2026 तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र लोगों तक पहुंचाने के साथ ही उन्हें रोजगार, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसरों से जोड़ना है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लाभार्थियों को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया, जिससे सेवा और सम्मान के साथ स्वावलंबन की दिशा में भी कदम बढ़ा।इस अवसर पर एनआरएलएम द्वारा 3 प्रशस्ति पत्र, खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा 50 स्वीकृति पत्र एवं 3 टूल किट, उद्योग विभाग द्वारा 10 सिलाई मशीन एवं 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली प्रदान की गईं।

कृषि विभाग द्वारा 15 स्प्रेयर एवं 2 कल्टीवेटर तथा उद्यान विभाग द्वारा 15 स्प्रिंकलर टूल वितरित किए गए। वहीं आईटीआई के माध्यम से 10 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर रोजगार के अवसरों से जोड़ा गया। कार्यक्रम में जनसेवा को विकास की आधारशिला बताते हुए लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने और पात्र लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प दोहराया गया। 'जिसने जीवन संवारा, उन्हें आशीर्वाद हमारा' की भावना के साथ आयोजित 'सेवा दिवस-आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम ने जनसेवा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के संदेश को मजबूती दी। सेवा संकल्प अभियान जनसेवा को राष्ट्रसेवा से जोड़ते हुए समाज के अंतिम पायदान तक विकास और अवसर पहुंचाने की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर परमुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारी व बड़ी संख्या मे लाभार्थी, मौजूद रहे

केबल चोरी की रिपोर्ट दर्ज न करने पर विजयगढ़ थाना प्रभारी लाइन हाज़िर

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ गांव बरौठ के किसान ने एसएसपी से मिलकर की थी शिकायत विजयगढ़। नलकूप की केबल चोरी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज न करना विजयगढ़ थाना प्रभारी को भारी पड़ गया। एसएसपी नीरज जादौन ने थाना प्रभारी सतीश चंद्र को लाइन हाजिर कर दिया। एसएसपी के निर्देश पर अब चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। गांव बरौठ निवासी विजय रावत ने एसएसपी से शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि उनके खेत पर नलकूप लगा हुआ है। 10 सितंबर की रात करीब दो बजे चोर आरी से केबल काटकर ले गए। उन्होंने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी थी। आरोप है कि सूचना देने के बाद भी थाना पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। रिपोर्ट भी दर्ज नहीं की गई। विजय रावत ने एसएसपी को बताया कि गांव में चोरी की अन्य घटनाएं भी हो चुकी हैं। इन मामलों में भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने थाना प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया। 10 निरीक्षक व उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले-अलीगढ़। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एसएसपी नीरज कुमार जादौन ने जिले के 10 निरीक्षक और उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में. बदलाव कर नए तैनाती स्थल सौंपे हैं। निरीक्षक सुबोध कुमार को पुलिस लाइन से हटाकर अतरौली थाने का अतिरिक्त निरीक्षक (अपराध) बनाया गया है।निरीक्षक एकता सिंह को पुलिस लाइन से चंडौस थाने में अतिरिक्त निरीक्षक (अपराध) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक योगेन्द्र सिंह को क्रार्सी थाने का अतिरिक्त निरीक्षक नियुक्त किया गया है। निरीक्षक रामनिवास को पुलिस लाइन से वीआईपी सैल को प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा, कानून व्यवस्था को मैदानी स्तर पर मजबूत करने के लिए कई उपनिरीक्षकों, चौकी प्रभारियों और वरिष्ठ उपनिरीक्षकों के भी तबादले किए गए हैं। एसआई मनिन्द्र सिंह को थाना गोधा से एसएसआई के रूप में थानों क्रार्सी थाना क भेजा गया है। एसआई परमेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी मलखान सिंह, थाना बन्ना देवी को अब थाना गोधा की कमान सौंपी गई है। एसआई अभिनव तोमर को थाना गोंड़ा से स्थानांतरित कर थाना क्रार्सी के अंतर्गत चौकी नगला पटवारी का प्रभार दिया गया है। एसआई रवीन्द्र सिंह को नगला पटवारी से हटाकर अतरौली क्षेत्र के अंतर्गत चौकी जिरौली धूम सिंह का चौकी प्रभारी बनाया गया है। कुमार को जिरौली धूम सिंह से थाना गोंडा तथा एसआई युसुफ खान को किशनपुर चौकी से थाना गोंडा स्थानांतरित किया गया है। एसएसपी नीरज जादौन के मुताबिक सभी स्थानांतरित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और मनोयोग के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कार्यवाहक थाना प्रभारी पुनीत भाटी ने बताया कि एसएसपी के आदेश पर चोरी की घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सीओ संजय कुमार त्यागी ने बताया कि एसएसपी के आदेश पर थाना प्रभारी सतीश चंद्र को लाइन हाजिर किया गया है।

गश्त के दौरान कोहिनूर तिराहे पर मिला था बच्चा, पुलिस की तत्परता से परिवार के चेहरे पर लौटी मुस्कान

क्यूँ न लिखूँ सच/ सैयद सिकंदर राजा / मुरादाबाद। थाना कटघर पुलिस ने संवेदनशीलता, तत्परता और मानवीय दृष्टिकोण का परिचय देते हुए करीब पांच वर्षीय मासूम बच्चे को सकुशल उसके परिजनों तक पहुंचाकर सराहनीय कार्य किया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से जहां मासूम अपने परिवार से मिल गया, वहीं बच्चे के परिजनों ने मुरादाबाद पुलिस का आभार जताते हुए पुलिसकर्मियों की जमकर प्रशंसा की। जानकारी के अनुसार, थाना कटघर क्षेत्र की दस सराय चौकी के अंतर्गत पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान कोहिनूर तिराहे के पास पुलिस को करीब पांच वर्ष का एक छोटा बच्चा रोता हुआ दिखाई दिया। पुलिसकर्मियों ने बच्चे को अकेला देखकर तत्काल उसके पास पहुंचकर उसे अपने संरक्षण में लिया। बच्चा अपना नाम केवल अनस बता पा रहा था

और अपनी स्थिति के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दे पा रहा था। पुलिसकर्मियों ने बच्चे को सुरक्षित रूप से दस सराय चौकी पर पहुंचाया। इसके बाद बच्चे के परिजनों की तलाश के लिए आसपास के इलाके में जानकारी जुटाई गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों से बच्चे के संबंध में पूछताछ की और उसकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से भी जानकारी प्रसारित कराई।

पुलिस की टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लगातार आसपास के क्षेत्रों में बच्चे के परिवार की तलाश जारी रखी। पुलिस की सक्रियता और स्थानीय स्तर पर की गई पूछताछ के परिणामस्वरूप आखिरकार बच्चे के परिजनों के बारे में जानकारी मिल गई। इसके बाद परिवार को सूचना देकर चौकी दस सराय बुलाया गया। परिजन चौकी पहुंचे तो अपने मासूम बच्चे को सकुशल देखकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आवश्यक पहचान एवं सत्यापन के बाद पुलिस ने अनस को सकुशल उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया। बच्चे के परिजनों ने अपने बच्चे को सुरक्षित वापस पाने पर मुरादाबाद पुलिस और दस सराय चौकी पुलिस का धन्यवाद किया तथा पुलिसकर्मियों के इस मानवीय एवं सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। तलाश शुरू की, वह पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली को दर्शाता है। पुलिस की सक्रियता के चलते बच्चे को सुरक्षित रखा गया और जल्द ही उसके परिजनों से मिलाया जा सका।इस पूरे मामल में कटघर पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की क्षेत्र में भी सराहना की जा रही है। पुलिसकर्मियों ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि कानून-व्यवस्था के साथ-साथ जरूरतमंद और मासूम लोगों की सुरक्षा एवं सहायता भी पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। परिजनों ने कहा- पुलिस का दिल से धन्यवाद बच्चे के सकुशल मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली। उन्होंने मुरादाबाद पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस की तत्परता के कारण उनका बच्चा सुरक्षित उन्हें वापस मिल सका। परिजनों ने पुलिसकर्मियों को धन्यवाद देते हुए उनके इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। कटघर पुलिस की इस कार्रवाई ने न सिर्फ एक मासूम को उसके परिवार से मिलाया, बल्कि पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास एवं मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल भी पेश की।

संक्षिप्त समाचार

गांधी पार्क बस स्टैंड पर महिला वेशभूषा वाले लोगों का आतंक, युवक से मारपीट

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर /अलीगढ़ थाना गांधी पार्क क्षेत्र के कंपनी बाग चौराहे और पुराने बस स्टैंड पर देर रात महिला वेशभूषा वाले लोगों और एक युवक के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना पर पहुंची भीड़ ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। बताया गया कि मंगलवार देर रात किसी बात को लेकर महिला वेशभूषा वाले लोगों और स्थानीय युवक के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में हाथापाई और खींचतान शुरू हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद वहां अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।वायरल वीडियो में एक महिला वेशभूषा वाला व्यक्ति युवक के साथ झगड़ता दिखाई दे रहा है, जबकि कुछ अन्य लोग मौके पर खड़े नजर आ रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच खींचतान के दौरान आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाद में संबंधित व्यक्ति स्कूटी लेकर मौके से चला गया।स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में महिला वेशभूषा वाले लोगों द्वारा वसूली और अभद्रता किए जाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। वहीं, सीओ द्वितीय धनंजय कुमार ने बताया कि स्थानीय पुलिस को आरोपियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

क्षत्रिय युवा करणी सेना जिलाध्यक्ष को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ भारतीय स्टेट बैंक तिराहे के पास क्षत्रिय युवा करणी सेना के जिलाध्यक्ष सचिन राघव के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि बड़ी संख्या में पहुंचे युवकों ने उन्हें सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर थप्पड़ और बेल्ट से पीटा। इसके बाद भीड़ उन्हें खींचकर आंबेडकर पार्क के अंदर ले गई। वहां उनसे डा. भीमराव आंबेडकर और वाल्मीकि समाज के सम्मान में नारे लगवाने का आरोप है। सचिन राघव के मुताबिक, शाम करीब छह बजे वह अपने छोटे भाई सुंदर और दोस्त प्रहलाद के साथ भारतीय स्टेट बैंक के पास खड़े थे। इसी दौरान जय भीम के नारे लगाते हुए कई युवक वहां पहुंचे और तीनों पर हमला कर दिया। हमलावर सचिन को सड़क पर खींचते हुए आंबेडकर पार्क तक ले गए। रास्ते में बेल्ट से उनकी पिटाई की गई और पार्क के अंदर भी मारपीट की गई। सचिन ने आरोप लगाया कि एक युवक ने उन्हें चाकू मार दिया, जिससे उनकी कोहनी में चोट आई। पार्क में उनसे डा. आंबेडकर के सामने झुकने और जय भीम व जय भगवान वाल्मीकि के नारे लगाने को कहा गया। उन्हें बचाने पहुंचे छोटे भाई सुंदर और दोस्त प्रहलाद के साथ भी मारपीट की गई।घटना के बाद मारपीट के वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। एक वीडियो में सचिन हमलावरों से घिरे हुए पार्क में हाथ जोड़कर खड़े दिखाई दे रहे हैं। सीओ तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर सिविल लाइंस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस चिकित्सकीय रिपोर्ट, घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रसारित वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आरोपितों की पहचान कर रही है।

कीटनाशक दुकानों पर कृषि विभाग का औचक छापा, अनियमितता मिलते ही नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग ने गुरुवार को शिवपुरी में कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर उप संचालक कृषि मुनेश कुमार शाक्य एवं विभागीय टीम ने पोहरी रोड क्षेत्र में दुकानों की जांच की। निरीक्षण के दौरान मैसर्स खेती किसानी, पोहरी बस स्टैंड के प्रतिष्ठान में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संचालक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। वहीं, टीम जब किसान बाजार एग्री क्लीनिक, पोहरी रोड के निरीक्षण के लिए पहुंची तो दुकान बंद मिली और संचालक मौके पर मौजूद नहीं था। अमानक कृषि सामग्री बेचने वालों पर होगी कार्रवाई- कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। नकली या अमानक कृषि आदानों की बिक्री पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ कीटनाशक अधिनियम 1968 एवं नियम 1971 के तहत कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने कहा कि निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेगा। किसान खरीदारी में रखें सावधानी कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि खाद, बीज एवं कीटनाशक केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदें और हर खरीद का पक्का बिल जरूर लें। बिना बिल के कृषि सामग्री खरीदने से बचें। संदिग्ध या अमानक सामग्री की जानकारी मिलने पर तत्काल कृषि विभाग को सूचना देने की अपील की गई है।

Is your child losing their confidence in the pursuit of looks? This is how you can explain the true meaning of beauty.

Adolescence is a period when children begin to feel frustrated with their appearance. To ensure that the beauty products and beauty standards available on the market don't undermine your child's self-confidence, your efforts are essential. This article by psychologist and parenting coach Dr. Mona Gujral. ??Recently, when Farah Khan visited the home of actress and beauty pageant contestant Akanksha Chaudhary to film a YouTube vlog, Akanksha revealed that she felt extremely ugly during her teenage years. Farah then explained that her daughter feels the same way. Adolescence is a stage in every child's life when their body and mind undergo significant changes. They often begin to perceive themselves as "ugly ducklings" or ugly. This doesn't mean they're not attractive, but rather, it's a time when they begin to feel awkward, ungainly, and uncomfortable with their own bodies. A child who once fearlessly poses for photos suddenly begins spending hours in front of the mirror, shying away from having their photos taken, or repeatedly asking, "Do I look okay?" The market overflowing with beauty products attracts children, especially teenagers, and they often harm themselves. The Age of Comparison on Internet Media In today's age, this confusion of adolescence has increased more than ever. Internet media, filters, and advertisements present children with a false standard of beauty that is far from reality. Teenagers often compare their everyday, unfiltered looks to the selective and edited photos of others. At this age, the approval of friends becomes paramount, so they begin to view themselves through the eyes of others. Understand their pressure: Simply telling children, "Don't pay attention to what others say," doesn't work. If they want to experiment with new fashions or hairstyles, there's nothing wrong with that. Just ask them this question: "Are you doing this because you like it, or because you think your friends won't accept you without it?" Adolescence is a journey of moving beyond external appearance to establishing one's inner identity. The ultimate goal isn't to make children feel beautiful every day, but to reassure them that even on days when they don't feel beautiful, they are just as precious, worthy, and deserving of love. Understand the subtle difference: Most children accept their changing bodies and looks over time, but if this anxiety starts affecting their daily lives, don't ignore it. If a child is overly stressed about a particular part of their body, constantly looking in the mirror, completely hiding themselves, and stops going out, it could be leading to body dysmorphic disorder. If a child suddenly starts avoiding food altogether, becomes overly fearful of gaining weight, or starts exercising excessively, it could be pushing them toward an eating disorder. If this anxiety starts controlling your child's entire life, it's crucial to consult a psychologist. Essential Guidance for Parents: Avoid Saying It: When a child says, "I'm ugly," parents often lovingly reply, "Oh no, you're so cute!" This reaction is natural, but it doesn't solve the child's problem. The child isn't asking how they look, but rather feeling like they're "not good enough." Instead, say, "I see you're feeling a little uncomfortable with your looks these days. Tell me what's bothering you." Teach Questioning: Instead of completely blocking internet media, teach children to be mindful of it. Ask them, "Who took the picture they like the most? What filter or lighting was used? Can anyone look like this all the time?" Explain to them that beauty isn't a fixed mold. Don't limit your recognition to outward appearance: If you constantly compliment your child's looks, they'll begin to base their self-worth solely on their appearance. Compliment qualities that have nothing to do with looks, such as, "I really liked how patiently you handled that situation," or "You're a very sensitive and loyal friend."

Whether it's a broken heart or a lost relationship, why do memories of first love never fade? This secret lies in psychology.

Everyone knows about the experience of first love, but few discuss the psychology behind it. First love is a feeling that leaves a deep impression on the mind. Have you ever wondered why first love can't be forgotten so easily? What is the psychology behind it? Let's discuss this psychology of first love in detail today. What is the psychology of first love? - Harvard Medical School research from 2017 states that when a person falls in love, the love hormone called oxytocin is released. Along with this, motivation-promoting "feel-good" hormones like dopamine and serotonin are also released. These chemicals fill the mind with a sense of happiness and excitement. Therefore, when this feeling is experienced for the first time, the mind views it as a happy experience. In such a situation, first love leaves a deep impact on a person's life, because that's when they first learn what love really feels like. The impact is even more profound during adolescence - According to psychology, the feeling of first love first occurs during adolescence, when the mind and body are undergoing numerous changes. This is the time when the strongest memories are formed. Not just first love, but the first breakup, or any life-related event, can have a profound impact on teens. Repeated recollection strengthens the bond - One question is why memories of first love don't fade quickly, and there's a reason behind this. Now, because the experience was first-hand and had an impact on the mind, a person keeps revisiting those memories again and again. The first meeting, the first declaration of love, or a special gift are recalled repeatedly, preventing them from weakening. This doesn't fade these experiences, but rather strengthens them. What impact does first love have on future relationships? First love also influences any future relationship. If the experience is negative, it can lead to repeating toxic patterns. However, if the experience is positive, a person may begin to look for similar qualities in a future partner.

"Lying is a sin"... But parents must teach their children these lies, as they can be very helpful in getting into trouble.

In today's environment, it's essential to teach children certain lies for their safety. We all know that part of raising children is teaching them that "lying is a sin," but what if teaching them certain lies becomes absolutely necessary? In fact, today we're going to discuss the lies that every parent should teach their children. Lying on social media - Nowadays, children as young as 9-10 have learned to use social media. Therefore, it's important to educate them about its pros and cons. Tell children that if someone asks for their school or home address, they should not give it or share their location. Instead, providing false information or blocking them is the right choice. Lying to a stranger - We often teach children that it's not right to accept food or drink from a stranger, but we don't explain that if someone asks for their home, school address, or family phone number, it's okay to lie. This white lie can act as a shield for children in difficult situations. The "parents are home" lie: If a child is home alone and a stranger comes to the door, be sure to teach them how to lie. Teach them to never say they're home alone every time a stranger comes. Instead, give the other person the full possibility that their parents are home. Lying in an unsafe situation - If someone's presence makes a child feel unsafe or uncomfortable, let them know that there's no need to maintain etiquette. For their own safety, they can say that their family members are nearby or are coming to pick them up. In this situation, the child should prioritize their own safety over honesty or truthfulness. Lying about financial situation - It's not always necessary to give accurate information about your household's financial situation to a stranger. To handle such a situation, instill in your child the habit of lying. If a tricky person asks such questions, teach them to say they don't know.

Mookuthi Amman 2 will clash with Ranbir Kapoor's 'Ramayana'; Nayanthara's Mahakali avatar will give you goosebumps.

The release date for Nayanthara's film 'Mookuthi Amman 2' has been finalized. The film is set to clash with Ranbir Kapoor's 'Ramayana' at the box office on Diwali 2026. The release date for Nayanthara's upcoming film, Mookuthi Amman 2, has finally been finalized. The filmmakers released a new teaser for the film on social media on Monday, September 14, 2026. Along with the teaser, the filmmakers also announced the release date for this mythological film. However, it looks like the film is all set to take on Nitesh Tiwari's magnum opus Ramayan on Diwali 2026. What is the film's release date? Vels Film International Production House shared the teaser on its social media accounts on Monday, writing, "Presenting the teaser of Rise of Mahashakti in Tamil, Telugu, Hindi, Kannada and Malayalam. Releasing on November 6, 2026. A spectacular mega divine entertainer. Mookuthi Amman 2 will release in theatres near you on November 6." What will be the story of Mookuthi Amman 2? The Rise of Mahashakti teaser begins with a horseman entering a cave surrounded by waterfalls to warn his queen. He says, "Enemy soldiers are coming here because they have come to know that the child is here." The story then enters the present day, where the actress worships Goddess Urvashi. The teaser suggests that the story will take place in two different time periods. It's worth noting that Mookuthi Amman 2 is a sequel to Mookuthi Amman, which released on OTT in 2020.

A family drama has become a favorite upon its Netflix debut, trending at No. 1 in India.

A new film has recently arrived on the OTT platform, Netflix, and has become a favorite. A superhit film has arrived on Netflix. This new movie has emerged as the top trading hit - a film by a South Indian superstar. When it comes to the most popular OTT platforms, Netflix is ??sure to be a hot topic. Every weekend, Netflix sees numerous films and web series released, or movies arrive on Netflix after their theatrical releases. Based on this, a new theatrically released movie has recently been streamed on Netflix, becoming a fan favorite. This family drama is trending at No. 1 in India on OTT. After the big screen, cinephiles eagerly await the release of films on OTT. Especially if the film is related to South Indian cinema, this anticipation increases even more. The movie being discussed in this article belongs to South Indian cinema and is called Vishwanath & Sons. This weekend, Vishwanath & Sons, starring South superstar Surya and actress Mamita Baiju, was released online on the OTT platform Netflix. This family comedy-drama film, with a thrilling story, is currently being widely watched on Netflix and is being liked by audiences. This is why Vishwanath & Sons currently holds the number one spot on Netflix in India and has become a top trending topic. After creating a stir in theaters, Surya's Vishwanath & Sons is now receiving positive response on OTT as well, further increasing fans' excitement for the film. Vishwanath & Sons surpasses this movie - Suriya's Vishwanath & Sons has become the number one film on Netflix as soon as it arrived on OTT platform. The reason for this is that the film's brilliant story is being liked by the audience. The 2 hour 40 minute long Vishwanath & Sons has surpassed Bollywood superstar Ajay Devgn starrer comedy drama Dhamaal 4 to become the number one film on Netflix. Currently, Dhamaal 4 is trending at number 2.

The young adult comedy film Don't Be Shy is coming to OTT platforms to cook up love. The trailer is full of madness.

The trailer for Don't Be Shy, produced by Alia Bhatt, created a stir upon its release on YouTube. Read the details on which OTT platform this young adult comedy film will be released. The

trailer for "Don't Be Shy," produced by Alia Bhatt, has been released. This is a young adult romantic comedy film. When and where can I watch it on OTT platforms? Alia Bhatt is not only a brilliant actress, but she is also gradually becoming a successful producer. After "Darlings" and "Jigra," Alia is now returning to OTT platforms with her new film "Don't Be Shy," in which she has launched several new faces. The trailer for "Don't Be Shy" was recently released, and it is full of madness. The trailer is full of friendship, love, and chaos. The 2-minute, 32-second trailer for "Don't Be Shy" is very entertaining. The trailer begins with Shay, who has her plans for a perfect life. Shay's seemingly perfect world begins to unravel when things suddenly take a strange turn. Just as she begins to unravel these complexities, she finds herself torn between romantic feelings for the wealthy and popular Mayank and her childhood friend Dhruv. Meanwhile, the sudden entry of Shay's college friend Tara further complicates the situation. Thus, Shay's well-laid plans for her life seem to be thrown off course. The trailer, filled with love complications, friendships, and life's turmoil, will have you rolling with laughter. These stars will be seen making their acting debuts alongside Alia Bhatt and Shaheen Bhatt in the film, produced by Eternal Sunshine. The film, produced by Alia Bhatt and Shaheen Bhatt, marks the debut of several new faces in the acting world. Four new faces Aarushi Bajaj, Piyush Khati, Bianca Arora, and Ansh Duggal will be seen in important roles in this film. Apart from these, Alia has got acting done by director Anurag Basu, who has given many hit films. Apart from these stars, Kunal Roy Kapoor, Anurag Basu, Neha Dhupia, and Anju Alva Naik are also in important roles in Don't Be Shy. The story of the film has been written by writer Sriti Mukherjee, who is also the director of the film. This young adult romantic comedy film will be released on OTT platform Amazon Prime Video on 25th September.